कार्यशाला की रिपोर्ट

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर (प.बं.) में दिनांक **21.08.2015** को राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा राजभाषा नीति व इसके उपबंधों के सफ़ल व सम्यक कार्यान्वयन और इसके प्रचार–प्रसार में गति लाने के उपयोगार्थ विकसित विविध टूल्स यथा ई-महाशब्दकोश, गुगल ट्रांसलेशन, यूनिकोड टाइपिंग पैकेज,ऑन लाइन हिंदी प्रशिक्षण आदि की विस्तृत जानकारी तथा इसके अनुप्रयोग व प्रचालन विधि पर व्यावहारिक प्रशिक्षण के निमित **"राजभाषा ई-टूल्स के अनुप्रयोग"** पर प्रशिक्षण सह-कार्यशाला का आयोजन संस्थान के पदधारियों को राजभाषा हिंदी के प्रति प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के साथ ही साथ राजभाषा हिंदी के प्रावधानों के सम्यक अनुपालन व इसके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु अनुकुल माहौल की सृष्टि के उद्देश्य से किया गया। इस प्रशिक्षण सह-कार्यशाला के अंतर्गत संस्थान तथा इसके अधीनस्थ केन्द्रों के विभिन्न संवर्गो के कुल 23 पदधारीगण प्रशिक्षित किए गए।

कार्यशाला के आरंभ में संस्थान के सहायक निदेशक (राभा) द्वारा यूनिकोड के तकनीकी पहलुओं की व्याख्या करते हुए इसके माध्यम से कंप्यूटर पर किस तरह सरलता से हिंदी में कार्य किया जा सकता है, इस तथ्य पर विस्तृत रुप से प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कंप्यूटर पर हिंदी टंकण हेतु उपलब्ध नये-नये टूल्स की जानकारी दी, जिससे की कार्यशाला में उपस्थित पदधारीगण अत्यंत प्रभावित तथा लाभान्वित हुए। इसके अलावा, सभी पदधारियों को कंप्यूटर पर ई-महाशब्दकोश के माध्यम से वांछित शब्दों के अर्थ ढूंढने तथा यूनिकोड के संस्थापन की क्रिया-विधि से अवगत कराया गया ताकि सभी पदधारी अपने-अपने दैनिक सरकारी कार्यों को सहजतापूर्वक राजभाषा हिंदी में निष्पादित करने में सक्षम हो सके। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार द्वारा विकसित ऑनलाइन लीला प्रबोध, प्रवीण व प्राज्ञ पाठ्यक्रम की जानकारी के साथ ही पाठ्यक्रम संबंधी दृश्य-श्रव्य विडिओ दिखाया गया और पदधारियों को अपना सरकारी कामकाज हिंदी में करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

कार्याशाला के समापन समारोह के दौरान उपस्थित श्री एम॰ के॰ मजुमदार, वैज्ञानिक-ई महोदय ने सूचना-प्रौधोगिकी से जुड़े इस प्रकार के अनूठे हिंदी कार्यशाला के आयोजन पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए यह उम्मीद व्यक्त किया कि निश्चय ही यह कार्याशाला आज यहाँ उपस्थित सभी पदधारियों के लिए उनके दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी के उपयोग में सहायक साबित होगा तथा वे राजभाषा हिंदी की प्रगति व प्रसार-प्रचार हेतु हर संभव प्रयास करेंगे।

संस्थान के निदेशक प्रभारी महोदय, डॉ. ए. के. साहा द्वारा इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय अभिभाषण के दौरान इस बात पर हर्ष व्यक्त किया गया कि हिंदी के विकास व प्रगति में इस तरह का अभिनव प्रयास अत्यंत सराहनीय है तथा इस क्रम को आगे भी जारी रखा जाए। उनहोंने आगे यह भी कहा कि मुझे विश्वास हैं कि इससे सभी पदधारियों को भरपूर लाभ मिलेगा और वे इसका उपयोग अपने दैनांदिन के सरकारी कामकाज में भी सरलता पूर्वक कर सकेंगे। तत्पश्चात, इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रभारी तथा वैज्ञानिक-ई महोदय द्वारा सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

सर्वशेष में सहायक निदेशक (राभा) के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ इस कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।